

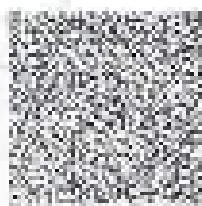
INDIA NON JUDICIAL
Government of Uttar Pradesh

e-Stamp

RAJIV VERMA

Stamp No. 20
Date 2021-10-20
Place Lucknow, UP, India
Ammount 100/-

Certificate No.	IN-UP14008602732692T
Certificate Issue Date	20-Oct-2021 01:45 PM
Document Reference	NEYIMPACU (90) - ap1455840M AGRA SADAR UP AGR
Unique Doc. Reference	SUGIN-UPUP14658404175274780916167
Purchased by	SANT MANTODEVI SAMAJJOTTHAN ABM SHEKSHIK S MATHURA
Description of Document	Article 19 Certificate or other Document
Property Description	Not Applicable
Consideration Price (Rs.)	
First Party	SANT MANTODEVI SAMAJJOTTHAN ABM SHEKSHIK S MATHURA
Second Party	UPPFSC
Stamp Duty Paid By	SANT MANTODEVI SAMAJJOTTHAN ABM SHEKSHIK S MATHURA
Stamp Duty Amount (Rs.)	10 Ten only



(Handwritten text type below the QR code)

मेरा अधिकार सामने आया है कि मैं इसकी सहीतीती को समझता हूँ।
मेरा नाम है - डॉ. रमेश
मेरा वास्तविक जन्म नाम है - डॉ. रमेश कुमार

प्रधान सचिव
कर्मी का नियमित जन्म नाम है - डॉ. रमेश कुमार
मेरा वास्तविक जन्म नाम है - डॉ. रमेश कुमार
16702021

संस्था समिति-पत्र

१-संस्था का नाम—

श्रीगढ़ी गन्तोदेवी समाजोरथान एवं जीविक समिति।

२-संस्था का पता—

याम सुखदेव बुज्जे पौ० आकोम डिला गढ़री।

३-संस्था का कार्यक्रम—

सापूर्ण उत्तर प्रदेश होगा।

४-संस्था के उद्देश्य—

१- उच्च राष्ट्रीय वायोग/अन्तर्राष्ट्रीय समाज विधान एवं शेन्टीय एवं राज्य सरकार के सम्बन्धित विधानों में विवरणों के अनुसार विभिन्न जल्दीजनकी विवाहों के विवरणों का अधिकार यह समाज ने देखा है। ताकि जल्दीजनकी विवाहों का विवाह कर सकता है।

२- वास्तविक दुष्टों द्वारा विवाहों के विवरणों का विवाह कर सकता है। इन विवाहों के विवरणों का विवाह कर सकता है। इन विवाहों के विवरणों का विवाह कर सकता है।

३- उच्च राज्य के अन्तर्गत सामुदायिक समाज, जातीय, विभिन्न विवाहों के विवरणों का विवाह कर सकता है। इन विवाहों के विवरणों का विवाह कर सकता है। इन विवाहों के विवरणों का विवाह कर सकता है। इन विवाहों के विवरणों का विवाह कर सकता है। इन विवाहों के विवरणों का विवाह कर सकता है। इन विवाहों के विवरणों का विवाह कर सकता है। इन विवाहों के विवरणों का विवाह कर सकता है।

४- विवाह विवाह के विवरणों का विवाह कर सकता है। इन विवाहों के विवरणों का विवाह कर सकता है। इन विवाहों के विवरणों का विवाह कर सकता है। इन विवाहों के विवरणों का विवाह कर सकता है। इन विवाहों के विवरणों का विवाह कर सकता है।

उच्च राज्य के विवरणों के विवाह के विवरणों का विवाह कर सकता है। इन विवाहों के विवरणों का विवाह कर सकता है। इन विवाहों के विवरणों का विवाह कर सकता है। इन विवाहों के विवरणों का विवाह कर सकता है। इन विवाहों के विवरणों का विवाह कर सकता है। इन विवाहों के विवरणों का विवाह कर सकता है। इन विवाहों के विवरणों का विवाह कर सकता है।

५- उच्च राज्य के विवरणों के विवाह कर सकता है। इन विवाहों के विवरणों के विवाह कर सकता है। इन विवाहों के विवरणों के विवाह कर सकता है। इन विवाहों के विवरणों के विवाह कर सकता है। इन विवाहों के विवरणों के विवाह कर सकता है। इन विवाहों के विवरणों के विवाह कर सकता है।

६- संस्था के नाम शे० अन्य नामों के विवाहों के विवाह कर सकता है। उच्च राज्य के विवाहों के विवाह कर सकता है। उच्च राज्य के विवाहों के विवाह कर सकता है।

७- उच्च राज्य के विवाहों के विवाह कर सकता है। उच्च राज्य के विवाहों के विवाह कर सकता है। उच्च राज्य के विवाहों के विवाह कर सकता है। उच्च राज्य के विवाहों के विवाह कर सकता है। उच्च राज्य के विवाहों के विवाह कर सकता है। उच्च राज्य के विवाहों के विवाह कर सकता है।

संघ विवाहों के विवाह

प्रभावी

जनक विवाह कर सकता है।

प्रभावी

प्रभावी

- 3— जैन मत के हिन्दूओं की समेशुल्कि हेतु वेदा द्विषषा एवं पदेवा की अपान उद्दासीयों गालों कम्बलों से कम्बले असाधित करना एवं उनका सहयोग करना। ऐसे इसी समस्याओं वे विद्वान् उद्दासा, चदा, वृण्ड, सहयोग प्राप्त कर व उद्दासीयों देना प्राप्त ज्ञान से रामायण विकास हेतु विशेष लालापाणियों का विवरण देना।
- 4— जैन मत के हिन्दूओं एवं जैन गोपीकरों ने उपर्युक्तों का प्रशास्त्र एवं प्रतार लेना।
- 5— अपान तथा सम्बन्धी हृषीके के आहार विभाव लघा जायाज्ञ आदि जी रामुड़िके अधार पर लेना।
- 6— उनका भावक अविकारी जी उत्थान करना। अमात्र में जैन उद्दासों एवं अन्य विद्वानों के विवरण हेतु विप्रासनन रखना।
- 7— विशेष यहौं पर आवाहन हेतु जारीत व्याख्या करना एवं व्याख्यान का आगोजन लेना।
- 8— विशेष यहौं पर आवाहन हेतु व्याख्या करना एवं व्याख्यानानुसार शिदाप-विद्वान् विवरणों की व्याख्या कर उनका प्रबन्ध लेना।
- 9— उनके विवरण एवं व्याख्या की विवाहना करना। जैन मत के प्रधान प्रशास्त्र करना।
- 10— जैन सेवाएँ हेतु जाएना नानारितों में वैदा करना सन्दर्भ समवय पर गोपियों एवं सान्तुष्टिक विवरणों द्वारा व्याख्यान करना देश न समझ के कल्पनाएँ के लिये कारी करना।
- 11— वैदा एवं गोपियन् द्वारा की जिथे व्याख्यान होना गौहरक्षण, गौमोहण उत्क्षण, स्वरूप विवरण, गरिमा एवं वात विवरण आगोदारी, अवालिङ्ग, दीवा-दुर्जियों की वैदा नृहन्तों के वृद्धालय, शोभावालीन उत्क्षण, आग्रह आपका आल लेखों में वाहन विद्विरों के विवरण के लिये वैदा द्वारा शारीर व्याख्यानों एवं उनके सम्बन्ध गर व्याख्या करना।
- 12— जैन व्याख्यानका एवं व्याख्या विवरण व्याख्याक जात-आज्ञायों को पुरावल्ल सरना।
- 13— जैन नमाज जी नैक संयुक्त व्याख्या, और वैज्ञानिक मुक्त सख्ता एवं वैदा अद्विष्टन एवं अनार वाक्या व समाजिक लुटीतियों व बुद्धियों को दूर करने का इस संबंध प्रयोग करना।
- 14— राज्य/भारती राजलाल जी जैन द्वारा उत्ती बोली/विश्वविद्यालयों हाथ संचालित प्राद्याकारों/उद्यानियों द्वारा व्यवहार किए जाने वाले प्रमाण वक्त जो न इदान किया जाना और = ही ऐसे प्राप्तान्तरम् विवर राज्य/भारतसरकार की अनुनीति के संतानित विवरणों।

सत्य एवं विषय

प्रधान प्रशास्त्र
जैन व्याख्या एवं विवरण एवं विवरण

प्रधान प्रशास्त्र

प्रधान प्रशास्त्र

प्रधान प्रशास्त्र

प्रधान प्रशास्त्र

६- उन्नायकारिणी तानिहि के पदाधिकारियों एवं अवसरों के नाम, वक्ता, पद एवं व्यवसाय दिये गये हैं। निचे नके लिखा गया सारणी के जावधार रखिया गया है—

निकल

क्रम संख्या	नाम मध्यविद्युत	वक्ता	पद	व्यवसाय
१-५८ दीदान शिंदे पुराणी वेदराम	यम नुअदेव बुर्ज दो० अक्षराम नाथुरा	अव्यापा	सेवनियुक्त	
२-५९ रामगोपल पुराणी कर्णेयालाल	यम सशाय चालदान दो० सगला शिला-नथुरा	उपचारक	कृषि	
३-६० श्रीमती विमलह टंडो पत्नीशी लीपाराम	यम दुर्घटम बुर्ज दो० अक्षराम नाथुरा	प्रदनक	सामाजिका	
४-६१ इन्द्री जमलेह मिंद पत्नीशी लेखा० लिंद	यम नगला अन्दलन दण्डकेश्वरल दुर्घट दुर्घटनगर नथुरा	लघुवर्धक	सामाजिका	
५-६२ फिरान लिंद पुराणी गोपाल लिंद	यम निशम गोर्ह बरीती तहसील नडाबन विलक्षनशुरा	वोपद्युत	कृषि	
६-६३ श्रीमती देमकाई पत्नीशी यवनिलाल पाठेंद्र	यम देवीलीलौर्ज घलेव तहसील महावन शिला-नथुरा	सहस्र	सामाजिका	
७-६४ श्रीमती गगूनालाल चाप्पेल पत्नीशी भवुलुलन चोप्पेल	यम देवीलीलौर्ज नोर चलेव तहसील महावन शिला-नथुरा	सहस्र	ग्रामजार्य	

८-मैं निम्न इस्तावकर कर्ता शांचित लगते हैं कि इन्हाँ ३५२ति-पद्धति एवं रालालक नियमनालों को अनुसार रोकाइटी रजिस्ट्रेशन आर्डि-२१ (एन० १८८) के अन्तर्गत एक रामिनि आ पंजीयन दरबना चाहते हैं।

टिकोन-१०-११-११

सलाहुतिलिपि

महान-भारती

काम्पनी नियम अन्वेषण और नियमन

विवरण देव एवं विवरण

११०२०१

१०. ११०२०१